Roll No. ..... Total Pages : 3

CMDE/D-23 **22102**

ECONOMICS OF BANKING–I

Paper : M–BECOE–024

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

Note : Attempt *five* questions in all. Select *one* question each from the four units. Question No. 1 is compulsory.

नोट : कुल **पांच** प्रश्न कीजिए। **चार** इकाइयों में से प्रत्येक से **एक-एक** प्रश्न कीजिए। प्रश्न सं. 1 अनिवार्य है।

Compulsory Question

(अनिवार्य प्रश्न)

1. Define the following :

(a) Medium of exchange.

(b) M3.

(c) Bill discounting.

(d) Reverse repo rate.

(e) Financial market.

(f) Money market.

(g) Notes.

(h) T bills.

निम्नलिखित को परिभाषित कीजिए :

(क) विनिमय का माध्यम।

(ख) एम3।

(ग) बिल में छूट।

(घ) रिवर्स रेपो दर।

(ड) वित्तीय बाजार।

(च) मुद्रा बाजार।

(छ) टिप्पणियां।

(ज) टी बिल।

UNIT–I (इकाई–I)

2. Explain various measures of money supply as described by RBI.

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा वर्णित मुद्रा आपूर्ति के विभिन्न उपायों की व्याख्या कीजिए।

3. Explain various functions of money and classification of money.

मुद्रा और मुद्रा के वर्गीकरण के विभिन्न कार्यों की व्याख्या कीजिए।

UNIT–II (इकाई–II)

4. Explain various assets and liabilities of commercial bank as per their balance sheet.

वाणिज्यिक बैंक की विभिन्न संपत्तियों और देनदारियों की उनकी बैलेंस शीट के अनुसार व्याख्या कीजिए।

5. Discuss the role of commercial banking in economic development in India.

भारत में आर्थिक विकास में वाणिज्यिक बैंकिंग की भूमिका की विवेचना कीजिए।

UNIT–III (इकाई–III)

6. What is credit control? Explain quantitative methods of credit control.

ऋण नियंत्रण क्या है? ऋण नियंत्रण की मात्रात्मक विधियों की व्याख्या कीजिए।

7. Discuss various objectives of monetary policy and its instruments.

मौद्रिक नीति के विभिन्न उद्देश्यों और इसके साधनों की विवेचना कीजिए।

UNIT–IV (इकाई–IV)

8. Write a detailed note on the structure of money market in India.

भारत में मुद्रा बाजार की संरचना पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए।

9. Explain the relevance of development banking in India.

भारत में विकास बैंकिंग की प्रासंगिकता की व्याख्या कीजिए।